

परमेश्वर मुझसे 28 तरीकों से प्रेम करता है

युवाओं के लिए बाइबल

पाठ 18 — कोई जो मुझे रास्ता दिखाए

मैं पढ़ सकता हूँ

“अपने परमेश्वर यहोवा पर विश्वास रखो। तब तुम मजबूत बने रहोगे। उसके भविष्यद्वक्ताओं पर विश्वास रखो। तब तुम सफल होगे।”

— 2 इतिहास 20:20

मेरी कहानी

मिस्टर ली हमेशा टोपी पहनते हैं, हमेशा पानी से भरी पानी की बोतल साथ रखते हैं और हमेशा जानते हैं कि उत्तर दिशा किस ओर है। वह किसी पक्षी को उसके उड़ने के तरीके से पहचान सकते हैं। वह यह भी बता सकते हैं कि कौन-सी जंगली मशरूम खाने के लिए सुरक्षित हैं और कौन-सी खाने से आप बीमार हो सकते हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि उन्हें पता होता है कि जहाँ आप हैं, वहाँ से उस जगह तक कैसे पहुँचाना है जहाँ आप जाना चाहते हैं।

मिस्टर ली कौन हैं? आइए, मैं आपको उनसे मिलवाता हूँ।

मैं और मेरा परिवार एक ऐसे जंगल वाले इलाके में कैंपिंग करने गए थे, जहाँ कोई सड़क, कोई संकेत, कोई शहर, कोई रेस्तराँ और कोई इंसान नहीं था! जहाँ तक दिखाई देता था, वहाँ केवल ऊबड़-खाबड़ रास्ते, ऊँचे पहाड़ और तेज़ बहती नदियाँ थीं। हमने अपना कैंप लगाया। माँ हमारे लिए कुछ खाने की चीज़ बनाने में व्यस्त थीं। तभी मैंने पक्षियों को देखने का फैसला किया। इसलिए मैंने अपनी भरोसेमंद दूरबीन उठाई और मैदान के दूसरी तरफ जाकर खड़ा हो गया। मुझे पता था कि जब तक मुझे हमारा कैंप दिखाई देता रहेगा, तब तक मैं सुरक्षित रहूँगा। लेकिन तभी मेरी मुलाकात एक लाल सिर वाले कठफोड़े से हो गई। ये बहुत सुंदर पक्षी होते हैं। इनके सिर पर लाल पंख और शरीर पर काले और सफेद पंख होते हैं। मैं उस पक्षी के पीछे-पीछे जंगल के बहुत अंदर चला गया। अचानक मुझे एहसास हुआ कि अब मुझे न तो वह पक्षी दिखाई दे रहा था और न ही हमारा कैंप। मुझे यह भी पता नहीं था कि हमारा कैंप किस दिशा में है। दूसरे शब्दों में कहूँ तो, मैं रास्ता भटक गया था! मैं एक गिरे हुए पेड़ के पास बैठा हुआ सोच रहा था कि शायद पूरी दुनिया में मुझसे ज्यादा बेवकूफ कैंप करने वाला कोई नहीं होगा। तभी मुझे झाड़ियों में से किसी के आने की आवाज़ सुनाई दी। मैंने सोचा कि मेरी किस्मत के अनुसार शायद कोई भूखा भालू या गुस्सैल शेर आ रहा होगा। तभी मेरी मुलाकात मिस्टर ली से हुई। उन्होंने मेरी ओर देखा और मुस्कुराए। उन्होंने कहा, “तुम रास्ता भटक गए लगते हो। क्या तुम चाहते हो कि मैं तुम्हें तुम्हारे कैंप तक वापस जाने का रास्ता दिखाऊँ?” जब हम साथ-साथ चल रहे थे, तब मिस्टर ली ने मुझे जंगल के कुछ पेड़ों और उनमें रहने वाले कुछ जानवरों के बारे में बताया। वह एक पार्क रेंजर थे—ऐसे व्यक्ति जिन्हें जंगल में रास्ता भटक जाने वाले लोगों को ढूँढ़ने की आदत होती है। कैंप की ओर जाते समय उन्होंने मुझे सिखाया कि मैं कैसे पता लगा सकता हूँ कि मैं कहाँ हूँ, कहाँ से आया हूँ और मुझे किस दिशा में जाना चाहिए। मैंने उनकी बातें ध्यान से सुनीं, क्योंकि जंगल में रास्ता भटकना बहुत बुरा अनुभव था और मैं फिर कभी ऐसा नहीं करना चाहता था। उस शाम बाद में, जब मैं, माँ और पिताजी कैंप की आग के पास बैठे थे, तब पिताजी ने कहा, “मिस्टर ली एक अच्छे भविष्यद्वक्ता

हैं।” मैंने पूछा, “भविष्यद्वक्ता? क्या आप बाइबल वाले भविष्यद्वक्ता की बात कर रहे हैं?” पिताजी ने कहा, “हाँ।” भविष्यद्वक्ता ऐसे मार्गदर्शक होते हैं जो रास्ता भटकते हुए लोगों और यहाँ तक कि रास्ता भटकते हुए राष्ट्रों को भी यह समझने में मदद करते हैं कि उनके साथ क्या हुआ। फिर वे उन्हें उस रास्ते पर वापस ले जाने में मदद करते हैं जहाँ उन्हें होना चाहिए।”

परमेश्वर के बहुत से भविष्यद्वक्ता रहे हैं—शमूएल, एलिय्याह, दानिय्येल और हमारी अपनी एलेन व्हाइट भी। परमेश्वर किसी व्यक्ति को अपना भविष्यद्वक्ता इसलिए नहीं चुनते कि वह कितना विश्वास करता है या उसकी उम्र कितनी है, बल्कि इसलिए कि वह लोगों की मदद करने के लिए तैयार और उत्सुक है। तुम भी परमेश्वर के लिए एक भविष्यद्वक्ता बन सकते हो। मैंने धीरे से सिर हिलाया। यह एक बहुत अच्छा विचार लग रहा था। भविष्यद्वक्ता बनना बहुत अच्छा लगता होगा! उस दोपहर मैंने सीखा था कि जब कोई रास्ता भटक जाए और फिर कोई उसे सही रास्ता दिखाकर घर वापस ले आए, तो कितना अच्छा लगता है।

मजेदार बातें

ठक-ठक...

- कठफोड़ा एक सेकंड में 20 बार तक चोंच मार सकते हैं। वे एक दिन में कुल 8,000–12,000 बार तक चोंच मार सकते हैं।
- कठफोड़ा की जीभ 4 इंच तक लंबी हो सकती है और वह उसकी खोपड़ी के चारों ओर लिपटी रहती है।

क्या उन्हें दर्द नहीं होता? कठफोड़ा को लगातार चोंच मारने से सिरदर्द नहीं होता।

उनकी खोपड़ी ऐसी मजबूत बनी होती है कि चोंच मारने का झटका फैल जाता है, और उनका दिमाग अच्छी तरह से सुरक्षित और गद्दीदार होता है।

मेरी बाइबल

एक भविष्यद्वक्ता एक मार्गदर्शक की तरह होता है, जो किसी व्यक्ति को वहाँ से, जहाँ वह है, उस जगह तक पहुँचने में मदद करता है जहाँ उसे पहुँचना चाहिए। कभी-कभी भविष्यद्वक्ताओं को भविष्य के बारे में भी पता होता है, क्योंकि परमेश्वर उन्हें बताते हैं कि क्या होने वाला है।

क्या आप भविष्यद्वक्ता बनना चाहेंगे?

यहाँ एक खेल है, जो आपको ऐसा करने में मदद करेगा!

नीचे दिए गए भूलभुलैया नंबर 1 (MAZE #1) को पूरा करें।

फिर किसी दोस्त को भूलभुलैया नंबर 2 (MAZE #2) पूरा करने के लिए कहें, लेकिन उसे भूलभुलैया नंबर 1 न दिखाएँ।

यह पहली भूलभुलैया जैसी ही है, लेकिन अब आपने इसे करना सीख लिया है।

अपने दोस्त को यह बताकर रास्ता दिखाएँ कि किस दिशा में जाना है या किस दिशा में नहीं जाना है।

उदाहरण के लिए, आप कह सकते हैं:

“तुम्हें यहाँ दाईं ओर मुड़ना चाहिए।”

या आप कह सकते हैं:

“यहाँ दाईं ओर मुड़ना अच्छा विचार नहीं है।”

आप यह भी कह सकते हैं:

“तुम्हें इस जगह तक पहुँचना है। तो तुम्हें दाएँ, बाएँ, ऊपर या नीचे किस ओर जाना चाहिए?”

भूलभुलैया आप खुद उसके लिए मत करें।

बस उसे मददगार शब्दों और प्रोत्साहन के द्वारा रास्ता दिखाएँ।

यही एक भविष्यद्वक्ता करता है।

भूलभुलैया नंबर 1

शुरुआत → रास्ता → समाप्ति

भूलभुलैया नंबर 2

शुरुआत → रास्ता → समाप्ति

नीचे दिए गए दोनों वचनों को पुस्तकालय में ढूँढ़ें और खाली जगहों में सही शब्द भरें।

परमेश्वर अपने लोगों का मार्गदर्शन करने के लिए भविष्यद्वक्ताओं का उपयोग कब करते हैं?

“प्रभु कुछ भी _____ करने से पहले अपने _____ भविष्यद्वक्ताओं को _____ बताता है।”

— अमोस 3:7

जब कोई भविष्यद्वक्ता बोलता है, तो वह वास्तव में किसके शब्द बोलता है?

“कोई भी _____ उस बात से नहीं आया जो कोई _____ कहना _____ था। लेकिन पवित्र _____ द्वारा चलाए गए _____ ने _____ की ओर से शब्द बोले।”

— 2 पतरस 1:21

मेरी प्रार्थना

हे परमेश्वर, जब हम पाप में खो जाते हैं, तब हमें आपके पास वापस आने का रास्ता दिखाने के लिए भविष्यद्वक्ताओं को भेजने के लिए आपका धन्यवाद। अगर आपको मेरी ज़रूरत हो, तो मैं भी आपका भविष्यद्वक्ता बनूँगा। बस मुझे बताएँ कि आप मुझसे क्या करवाना चाहते हैं। शमूएल की तरह, मैं आपकी बात सुनता रहूँगा। आमीन।

पुस्तकालय

“प्रभु कुछ भी करने से पहले अपने सेवकों, भविष्यद्वक्ताओं को बताता है।”

— आमोस 3:7

“कोई भी भविष्यवाणी उस बात से नहीं आई जो कोई मनुष्य कहना चाहता था। लेकिन पवित्र आत्मा द्वारा चलाए गए मनुष्यों ने परमेश्वर की ओर से शब्द बोले।”

— 2 पतरस 1:21

मेरी मित्र एलेन ने लिखा

“हमें धोखा खाने की आवश्यकता नहीं है; क्योंकि परमेश्वर का वचन हमें एक कसौटी देता है, जिससे हम जान सकते हैं कि सत्य क्या है।”

— रिब्यू एंड हेरल्ड, 23 फरवरी 1892

क्योंकि परमेश्वर अपने भविष्यद्वक्ताओं के द्वारा हमसे बात करते हैं, इसलिए हम हमेशा जान सकते हैं कि कौन-से विचार सच्चे हैं और कौन-से विचार शैतान के झूठ हैं।